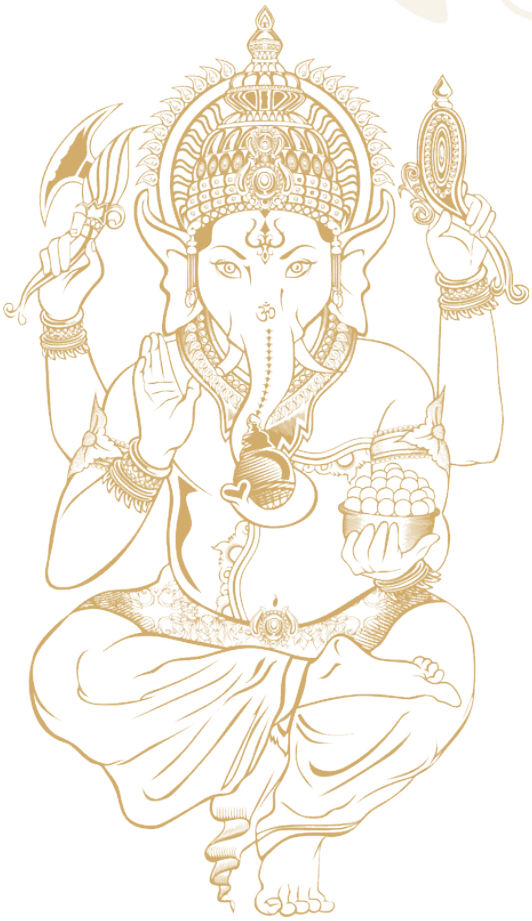

Mr.rajeev

Ms.sallu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119096101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119096101 Date: 14/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30-31/01/1997	जन्म तिथि	18-19/08/2025
गुरु-शुक्रवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 03:45:00	जन्म समय	02:25:00 घंटे
घटी 51:10:32	जन्म समय(घटी)	51:26:59 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Bilaspur
31:18:00 उत्तर	अक्षांश	31:18:00 उत्तर
76:48:00 पूर्व	रेखांश	76:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:16:47	सूर्योदय	05:50:12
17:55:46	सूर्यास्त	19:02:24
23:49:00	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:59
वृश्चिक	लग्न	मिथुन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
तुला	राशि	मिथुन
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
स्वाति	नक्षत्र	आर्द्रा
राहु	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	1
शूल	योग	वज्र
बव	करण	बव
रू-रूपेश	जन्म नामाक्षर	कू-कुसुम
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	श्वान
देव	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 17वर्ष 7मा 19दि		23:13:24	वृश्चि	लग्न	मिथु	17:39:39	राहु 17वर्ष 8मा 30दि	
गुरु		17:15:35	मक	सूर्य	सिंह	01:56:43	राहु	
21/09/2014		06:56:05	तुला	चंद्र	मिथु	06:51:09	19/08/2025	
21/09/2030		11:52:48	कन्या	मंगल	कन्या	13:15:49	19/05/2043	
गुरु	08/11/2016	23:35:14	धनु	बुध	कर्क	13:24:14	राहु	30/01/2028
शनि	22/05/2019	08:22:00	मक	गुरु	मिथु	21:10:45	गुरु	25/06/2030
बुध	27/08/2021	02:06:08	मक	शुक्र	मिथु	27:40:57	शनि	01/05/2033
केतु	03/08/2022	09:41:02	मीन	शनि व	मीन	06:38:10	बुध	18/11/2035
शुक्र	03/04/2025	06:01:27	कन्या	राहु व	कुंभ	24:17:16	केतु	06/12/2036
सूर्य	20/01/2026	06:01:27	मीन	केतु व	सिंह	24:17:16	शुक्र	06/12/2039
चन्द्र	22/05/2027	11:10:56	मक	हर्ष	वृष	07:06:21	सूर्य	30/10/2040
मंगल	27/04/2028	04:08:17	मक	नेप व	मीन	07:27:01	चन्द्र	01/05/2042
राहु	21/09/2030	11:23:51	वृश्चि	प्लूटो व	मक	07:48:54	मंगल	19/05/2043

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:00 चित्रपक्षीय अयनांश 24:12:59

लग्न-चलित

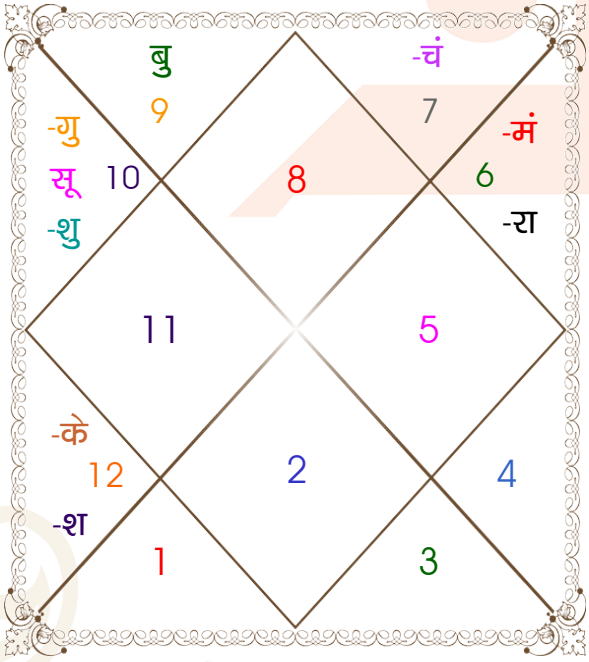

लग्न-चलित

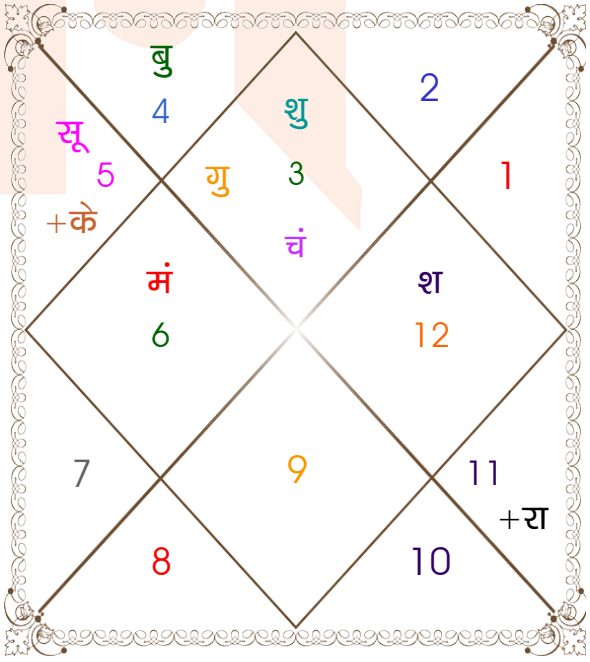

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

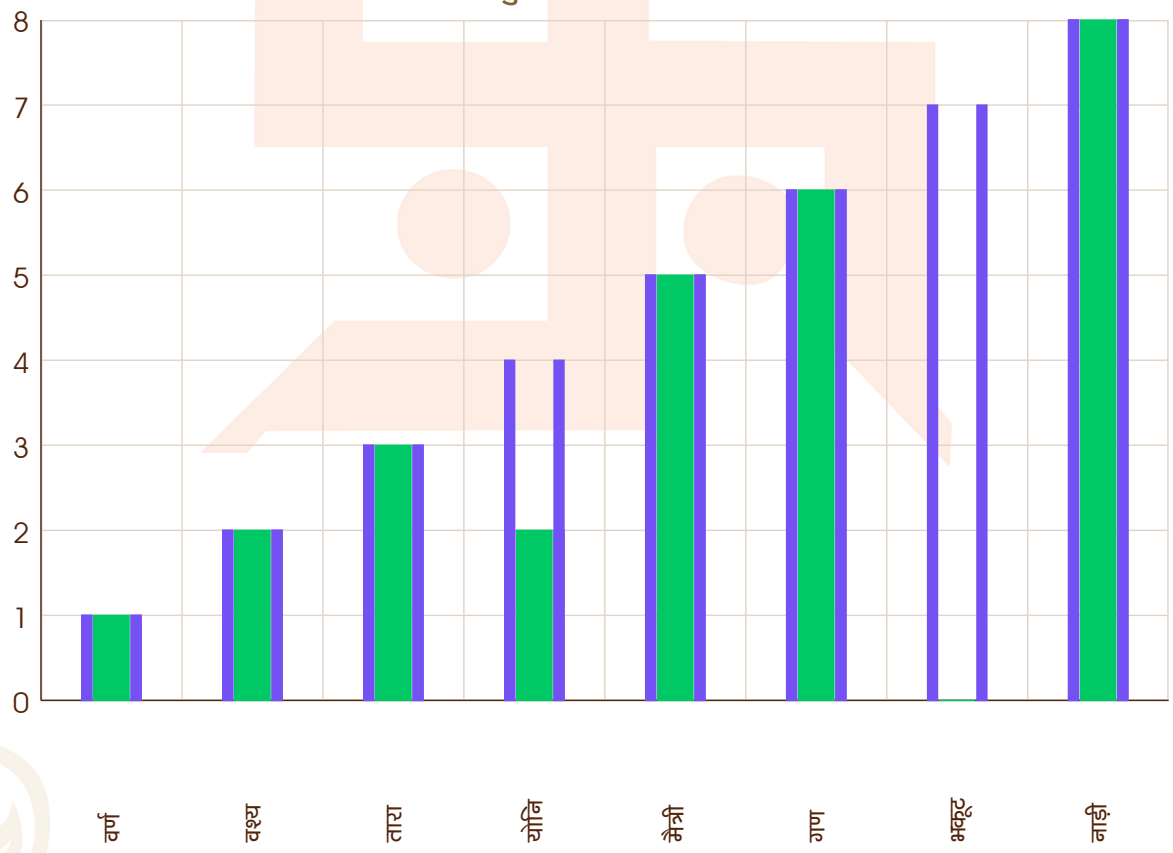

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.rajeev का वर्ग मृग है तथा Ms.sallu का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rajeev और Ms.sallu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rajeev मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.sallu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.rajeev कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rajeev तथा Ms.sallu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.rajeev का वर्ण शूद्र है तथा Ms.sallu का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Mr.rajeev का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.sallu का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr.rajeev एवं Ms.sallu दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr.rajeev की तारा जन्म तथा Ms.sallu की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr.rajeev की योनि महिष है तथा Ms.sallu की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.rajeev एवं Ms.sallu दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.rajeev एवं Ms.sallu के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.rajeev एवं Ms.sallu जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr.rajeev का गण देव तथा Ms.sallu का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.sallu अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Mr.rajeev से Ms.sallu की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms.sallu से Mr.rajeev की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Mr.rajeev की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Mr.rajeev की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.sallu की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr.rajeev की अन्त्य नाड़ी तथा Ms.sallu की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.rajeev की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Ms.sallu की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। अतः इसके प्रभाव से Mr.rajeev और Ms.sallu के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्य मान रहेंगी फलतः परस्पर संबधों में मधुरता होगी एवं वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr.rajeev की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा Ms.sallu की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र राशियों में स्थित है सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम मानी गई है। इसके प्रभाव से Mr.rajeev और Ms.sallu का परस्पर स्नेह सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने में तत्पर होंगे। वे एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे Mr.rajeev और Ms.sallu का दाम्पत्य जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr.rajeev और Ms.sallu की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा यदा कदा परस्पर संबधों में अनावश्यक वैमनस्य तथा विरोध का भाव भी परिलक्षित होगा। साथ ही परस्पर अंहकार की भावना की प्रबलता रहेगी जिससे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत करने में परेशानी की अनुभूति करेंगे। यदि संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक उपरोक्त भावों की उपेक्षा करें तो Mr.rajeev और Ms.sallu का वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Mr.rajeev और Ms.sallu दोनों का वश्य मानव है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी अनुकूलता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mr.rajeev और Ms.sallu दोनों का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमता में समानता रहेगी तथा अपने कार्यो को बिना किसी वरीयता के ईमानदारी एवं परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। फलतः Mr.rajeev और Ms.sallu का कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

Mr.rajeev और Ms.sallu का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr.rajeev और Ms.sallu सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr.rajeev को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे

धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.rajeev का जन्म अन्त्य तथा Ms.sallu का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव Mr.rajeev को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से Mr.rajeev हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए Mr.rajeev को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

यथोचित समय पर संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.rajeev और Ms.sallu का मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें संतति प्राप्ति में विलम्ब होगा तथा बच्चों के मध्य भी जन्म समय में असामान्य अंतर रहेगा जिससे उनके पालन पोषण में यदा कदा असुविधा की अनुभूति होगी। इसके साथ ही Mr.rajeev और Ms.sallu की संतति में पुत्र तथा कन्याओं की संख्या समान रहेगी।

Ms.sallu के मन में अन्य सामान्य महिलाओं की तरह प्रसव के विषय में चिन्ता तथा भय का भाव व्याप्त रहेगा परन्तु Ms.sallu को ऐसी अनावश्यक चिन्ताओं से मुक्त रहना चाहिए क्योंकि उनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक कष्ट या परेशानी उत्पन्न नहीं होगी। तथापि सावधानी वश Ms.sallu को गर्भावस्था में उचित डाक्टरी परीक्षण नियमित रूप से करवाते रहना चाहिए। इससे वह सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ होंगी तथा स्वयं का स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा। साथ ही Ms.sallu के पति एवं सास-ससुर भी उससे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

बच्चों की अनुकूल प्रगति से Mr.rajeev और Ms.sallu उनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा बच्चे भी अपनी व्यवहार कुशलता योग्यता तथा बुद्धिमता से अपने क्षेत्र में सफलता एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। साथ ही अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर तथा आज्ञा पालन का भाव रहेगा परन्तु पिता की अपेक्षा माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव होगा एवं उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.rajeev और Ms.sallu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.sallu के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Ms.sallu सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Ms.sallu को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Ms.sallu धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Ms.sallu के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Ms.sallu ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

Mr.rajeev के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.rajeev के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.rajeev के प्रति सामान्य ही रहेगा।